

न्यूज ब्रीफ

नवचयनित अनुदेशक बोले- मेहनत से मिली मंजिल, ईमानदारी का लिया संकल्प

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

भाजपुमो प्रदेशभर में करेगा रक्तदान

अमृत विचार, लखनऊः ग्राहनमंत्री नरराम मोदी के जन्मादिस 17 सितंबर से लेकर गांधी जयंती 2 अक्टूबर तक भारतीय जनता पार्टी द्वारा चलाए जाने वाले सेवा प्रखण्डों के लेकर भारी रक्तदान के बैठक करके खाली बानाई। प्रदेश के बैठक में कम से कम 75 यूनिट रक्तदान का लक्ष्य रखा गया है। साथ ही, नमो मेरान के जरिए नशामुक्त भारत का अभियान चलाया। बैठक में पार्टी के प्रदेश संगठन महायमंत्री धर्मपाल सिंह ने युवा कार्यकर्ताओं को रक्तदान, स्वच्छता और जनसंपर्क में दम दिखाने का आहार किया।

विवि के बेहतरीन प्रदर्शन

पर संवाद कार्यक्रम

अमृत विचार, लखनऊः राष्ट्रीय संस्थान रेकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ)-2025 में उत्तर प्रदेश के विश्वविद्यालयों के बेहतरीन प्रदर्शन पर रीवार को जनभवन में आयोजित रखाया गया। एनआईआरएफ-2025 के अन्तर्गत भारतीय विश्वविद्यालय रेकिंग में मनो महान मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमएमएमयू) 68वें, लखनऊ विश्वविद्यालय 98वें स्थान पर रहा, जबकि डीडीयू गोरखपुर विश्वविद्यालय 51-100 वें बैंड में रहा।

महिला आल्हा गायन

महोत्सव आयोजित

अमृत विचार, लखनऊः आल्हा गायन बुलूलखड़ व उत्तर प्रदेश की एक अमृत्यु लोक पंथपाल है। महिलाओं की भगवीदारी इस लोकगायन को नई ऊर्जा और स्वर दे रही है। यह आयोजन महिला कलाकारों को मंच देने के साथ-साथ लोक संस्कृति के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यह बात पर्दन एवं संस्कृति भंगी जयवीर सिंह द्वारा योगिता द्वारा गायन महोत्सव के विषय में कही। दादां हॉल स्थित मुकुतकारी मंच पर आयोजित महोत्सव के उद्घाटन अवसर पर विद्यायक गोरी शकर वर्षा और भूर्ज लद्दू निरजन तथा विद्यायक भाजपा डीर्जोंगा विद्यार्थी, विद्यायक कालीपी चूर्णपूर्णी और जूद थे। समाप्त अवसर पर सदृश्य विद्यान परिषद रमा निरंजन 'तथा' जिला पंचायत अध्यक्ष, जालीन डॉ. बनश्याम अनुरागी उपस्थित रही।

गलत नीतियों से हर वर्ग परेशान : अखिलेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

भाजपा नेताओं के मुंह पर लग गया टैरिफ

जीएसटी

लागू होने

से कारोबार

आसान

होगा, लेकिन

जीएसटी

दुनिया का

इकलौता कानून

जिसमें सबसे

ज्यादा संशोधन

दुनिया का इकलौता ऐसा कानून है, जिसमें सबसे ज्यादा संशोधन हो जाएगा।

जीएसटी में तमाम संशोधनों के बाद

भी फिर बदलाव करना पड़ा।

सपा प्रमुख रविवार को इटावा में

मीडिया से बात कर रहे थे। उन्होंने

कहा कि अब सवाल यह है कि

जीएसटी

लागू होने से लेकर अब

वहां

से बात कर रहे हैं।

उन्होंने

कहा कि अब सवाल यह है कि

जीएसटी

लागू होने से

लेकर अब

वहां

से बात कर रहे हैं।

उन्होंने

कहा कि अब सवाल यह है कि

जीएसटी

लागू होने से

लेकर अब

वहां

से बात कर रहे हैं।

उन्होंने

कहा कि अब सवाल यह है कि

जीएसटी

लागू होने से

लेकर अब

वहां

से बात कर रहे हैं।

उन्होंने

कहा कि अब सवाल यह है कि

जीएसटी

लागू होने से

लेकर अब

वहां

से बात कर रहे हैं।

उन्होंने

कहा कि अब सवाल यह है कि

जीएसटी

लागू होने से

लेकर अब

वहां

से बात कर रहे हैं।

उन्होंने

कहा कि अब सवाल यह है कि

जीएसटी

लागू होने से

लेकर अब

वहां

से बात कर रहे हैं।

उन्होंने

कहा कि अब सवाल यह है कि

जीएसटी

लागू होने से

लेकर अब

वहां

से बात कर रहे हैं।

उन्होंने

कहा कि अब सवाल यह है कि

जीएसटी

लागू होने से

लेकर अब

वहां

से बात कर रहे हैं।

उन्होंने

कहा कि अब सवाल यह है कि

जीएसटी

लागू होने से

लेकर अब

वहां

से बात कर रहे हैं।

उन्होंने

कहा कि अब सवाल यह है कि

जीएसटी

लागू होने से

लेकर अब

वहां

से बात कर रहे हैं।

उन्होंने

कहा कि अब सवाल यह है कि

जीएसटी

लागू होने से

लेकर अब

वहां

से बात कर रहे हैं।

उन्होंने

कहा कि अब सवाल यह है कि

जीएसटी

लागू होने से

लेकर अब

वहां

से बात कर रहे हैं।

उन्होंने

कहा कि अब सवाल यह है कि

जीएसटी

लागू होने से

लेकर अब

वहां

से बात कर रहे हैं।

उन्होंने

कहा कि अब सवाल यह है कि

जीएसटी

लागू होने से

लेकर अब

वहां

से बात कर रहे हैं।

उन्होंने

कहा कि अब सवाल यह है कि

जीएसटी

लागू होने से

लेकर अब

वहां

से बात कर रहे हैं।

उन्होंने

कहा कि अब सवाल यह है कि

जीएसटी

लागू होने से

लेकर अब

वहां

से बात कर रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

सीनियर जिम्नास्टिक
द्रायल 17 को

अयोध्या, अमृत विचार: उत्तर प्रदेश

खेल निदेशालय के निदेशन में क्षेत्रीय

खेल कार्यालय के तत्वाधान में डॉ.

आंडेकर अंतरराष्ट्रीय क्लास संकुल में

सीनियर महिला व पुरुष क्लास संकुल में

द्रायल 17 सितंबर को होगा। क्षेत्रीय

क्लास अधिकारी अनिष्ट सक्सेना

ने बताया कि जिला द्रायल सुबह 9

बजे व मंडीय द्रायल दोपहर 12 बजे

होगा। चर्यानित मंडीय टीम 25 से 26

पहिले दीन यात्रा प्रयाणीय में आयोजित

पहिले दीन यात्रा उत्तर प्रदेशीय

सीनियर महिला व पुरुष जिम्नास्टिक

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेगी। चर्यान

द्रायल में प्रतिभागी खिलाड़ी को अपना

आधार कार्ड लाना आवश्यक है।

जूनियर बालक

बास्केटबॉल द्रायल 9 को

अयोध्या, अमृत विचार: क्षेत्रीय

खेल कार्यालय के तत्वाधान में डॉ.

आंडेकर अंतरराष्ट्रीय क्लास संकुल

में जूनियर बालक बास्केटबॉल द्रायल

9 सितंबर को होगा। क्षेत्रीय क्लास

अधिकारी अनिष्ट सक्सेना ने बताया

कि जिला द्रायल सुबह 9 बजे व

मंडीय द्रायल दोपहर 12 बजे होगा।

चर्यानित मंडीय टीम 10 से 13 सितंबर

तक गोरखपुर में आयोजित प्रदेशीय

समवय जूनियर बालक बास्केटबॉल

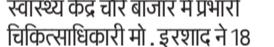
प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेगी। चर्यान

द्रायल में प्रतिभागी खिलाड़ी को अपना

आधार कार्ड लाना आवश्यक है।

जन आरोग्य भेल में हुआ

मरीजों का उपचार



बीकापुर, अमृत विचार: ल्काक क्षेत्र

के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र दौरे बाजार

और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कोशी में

रिवार को मुख्यमंत्री जन आरोग्य मेले

का आयोजन किया गया। प्राथमिक

स्वास्थ्य केंद्र दौरे बाजार में प्रभारी

विकासाधिकारी मो. इशांद ने 18

मरीजों का रोजरेस्ट्रेशन करके उपचार

किया। कार्मासिस्टर कनिकरम वीरी

ने बताया कि अधिकतर मरीज मौसीम

जुलाई और अगस्त में भी सामान्य

स्वास्थ्य केंद्र दौरे बाजार में प्रभारी

विकासाधिकारी मो. इशांद ने 18

मरीजों का आयोजन किया। यहां

एकी भी विकासक मौजूद नहीं रहा।

कार्मासिस्टर सहयोगी स्टॉफ ने 12

मरीजों को विकित्सिय सालाह देने के

साथ दब उपचार किया गया।

ब्राह्मण सम्मेलन को

लेकर बनाई गई रणनीति

बीकापुर, अमृत विचार: नदीग्राम

भरत कुंड में आयोजित भारतीय चाणक्य

की बैठक हुई। इसमें पांच

अक्ष्युटों को होने वाले ब्राह्मण महाकुंभ

की तैयारी पर चर्चा की गई। लोगों ने

कहा कि तर्मनान राजनीतिक परिषद्य

में ब्राह्मणों के प्रति लोगों की दुरुग्रह

पक्षपात्र एवं कपड़ प्रतीर्ण राजनीति कुंडि

अपनाकर गृह ले लेने का कार्य करते

है। अन्यकांत कर होने का कार्य करते

है। तिवारी कर होने का उपचार किया गया।

सरयू के जल स्तर में उत्तरां

चाढ़ाव स कछार के लोग पिछले डेढ़

महीने से परेशन हैं। कभी पानी चढ़ा

वाल प्रभावितों ने रहत होने की सांस ती

लेकिन कठन का खावरा है। रुदीली

के बाद प्रभावित इलाके में पशुओं के

तिए भूस वितरित किया गया।

सरयू के जल स्तर में उत्तरां

चाढ़ाव स कछार के लोग पिछले डेढ़

महीने से परेशन हैं। कभी पानी चढ़ा

वाल प्रभावितों ने रहत होने की सांस ती

लेकिन कठन का खावरा है। रुदीली

के बाद प्रभावित इलाके में पशुओं के

तिए भूस वितरित किया गया।

सरयू के जल स्तर में उत्तरां

चाढ़ाव स कछार के लोग पिछले डेढ़

महीने से परेशन हैं। कभी पानी चढ़ा

वाल प्रभावितों ने रहत होने की सांस ती

लेकिन कठन का खावरा है। रुदीली

के बाद प्रभावित इलाके में पशुओं के

तिए भूस वितरित किया गया।

सरयू के जल स्तर में उत्तरां

चाढ़ाव स कछार के लोग पिछले डेढ़

महीने से परेशन हैं। कभी पानी चढ़ा

वाल प्रभावितों ने रहत होने की सांस ती

लेकिन कठन का खावरा है। रुदीली

के बाद प्रभावित इलाके में पशुओं के

तिए भूस वितरित किया गया।

सरयू के जल स्तर में उत्तरां

चाढ़ाव स कछार के लोग पिछले डेढ़

महीने से परेशन हैं। कभी पानी चढ़ा

वाल प्रभावितों ने रहत होने की सांस ती

लेकिन कठन का खावरा है। रुदीली

के बाद प्रभावित इलाके में पशुओं के

तिए भूस वितरित किया गया।

सरयू के जल स्तर में उत्तरां

चाढ़ाव स कछार के लोग पिछले डेढ़

महीने से परेशन हैं। कभी पानी चढ़ा

वाल प्रभावितों ने रहत होने की सांस ती

लेकिन कठन का खावरा है। रुदीली

के बाद प्रभावित इलाके में पशुओं के

तिए भूस वितरित किया गया।

सरयू के जल स्तर में उत्तरां

चाढ़ाव स कछार के लोग पिछले डेढ़

महीने से परेशन हैं। कभी पानी चढ़ा

वाल प्रभावितों ने रहत होने की सांस ती

लेकिन कठन का खावरा है। रुदीली

के बाद प्रभावित इलाके में पशुओं के

तिए भूस वितरित किया गया।

सरयू के जल स्तर में उत्तरां

चाढ़ाव स कछार के लोग पिछले डेढ़

महीने से परेशन हैं। कभी पानी चढ़ा

वाल प्रभावितों ने रहत होने की सांस ती

लेकिन कठन का खावरा है। रुदीली

के बाद प्रभावित इलाके में पशुओं के

तिए भूस वितरित किया गया।

सरयू के जल स्तर में उत्तरां

चाढ़ाव स कछार के लोग पिछले डेढ़

महीने से परेशन हैं। कभी पानी चढ़ा

वाल प्रभावितों ने रहत होने की सांस ती

लेकिन कठन का खावरा है। रुदीली

के बाद प्रभावित इलाके में पशुओं के

तिए भूस वितरित किया गया।

सरयू के जल स्तर में उत्तरां

चाढ़ाव स कछार के लोग पिछले डेढ़

महीने से परेशन हैं। कभी पानी चढ़ा

वाल प्रभावितों ने



हम शांति और शांतिपूर्ण विकास में विश्वास करते हैं, न केवल अपने लिए बल्कि पूरे विश्व के लिए।

—लाल बहादुर शास्त्री, पूर्व प्रधानमंत्री

ट्रंप के यू-टर्न का मतलब

भारत को दक्षिणार्थ करके आज कोई भी महाशक्ति अपनी राह आसान नहीं बना सकती। दंड देने के लिए दंड ले कर दौड़ते ट्रंप का समीप आते ही देश के चरणों में दंडवत हो जान यही कहता है। डोनाल्ड ट्रंप का भारत को लेकर अचानक बदला हुआ रुख कोई रहस्य नहीं, बल्कि एक मजबूरी भरी सख्त हकीकत का इजहार है। ट्रंप भले ही खुद को अंडिंग नेता मानने का अंदकार पालत ही, लेकिन भारत के मामले में उनका यू-टर्न बताता है कि वैश्विक राजनीति के मंब पर अब हालात बदल चुके हैं। ट्रंप को अस्थिरकार समझा जा गया है कि भारत की अनंदेष्यी करना अत्यंत आत्मसारी का कदम है। बीते कुछ वर्षों में उन्होंने अंदर और व्यापरिक टकराव की राह चुनी, मगर नीतीजा यह हुआ कि अमेरिकी कंपनियों और निवेशकों ने ही विरोध का बिगुल बना दिया। भारत दुनिया का सबसे बड़ा उपभोक्ता बाजार और उभरती डिजिटल ताकत है, इसे खोना अमेरिका के लिए आर्थिक आन्तर्द्दृश्यमान से कम नहीं। यही वजह है कि ट्रंप को पलटी मारनी पड़ी, लेकिन असली डर कहीं और है। ब्रिस्ट का विस्तार, रूस-चीन के साथ भारत की बढ़ती भूमिका और वैश्विक दक्षिण की एक जुटाता, ये सब अमेरिका के लिए गहरी बेचैनी का सबब बन चुके हैं। ट्रंप जानते हैं कि अगर भारत इस धुरी के साथ खुलकर खड़ा हो गया, तो आधी दुनिया का बाजार अमेरिकी पकड़ से निकल जाएगा। भविष्य में छब्बे बनने की चाहत में ढुके भी नहीं रह पाएगा। उनका यू-टर्न दरअसल इसी घबराहट की निशानी है।

अब सबाल भारत का है। क्या भारत ऐसे नेता पर भरोसा करे, जो हर मौसम में अपने रंग बदलता है? सावधानी यहां बेहद ज़रूरी है। भारत अगर अमेरिका की तरफ बहुत ज्यादा दूकान है, तो रूस और चीन ही नहीं, बाकी दुनिया में भी उसकी साख को धक्का लगेगा, लेकिन अगर भारत दूरी बनाए रखते तो अमेरिका खुद ही साझेदारी के लिए बार-बार दरवाजा खट्टखटाएगा। ऐसे में वह व्यापासायिक रुचि तथा आग्रह तो दिखाएं पर अपनी शर्तों के साथ। यही वह संतुलन है, जिसे भारत को साधना है। जहां तक ट्रेड डील और अतिरिक्त टैरिफ की बात है, उम्मीद ज़रूर है कि बातचीत का दरवाजा खुलेगा, मगर ट्रंप की राजनीति में कोई गारंटी नहीं होती। कल जो कहते हैं, आज पलट देते हैं।

भारत को अपनी शर्तों पर बात करना चाहिए और यह साफ संदेश देना चाहिए कि 'लेने से पहले देना सीखो।' अमेरिका का मौजूदा रुख भारत के लिए एक प्रभाकारी हो सकता है, निवेश, तकनीक और बाजार की नई संभावनाओं के लिए रूप में, लेकिन भारत को किसी भी क्रियता पर अपनी स्वतंत्र विदेश नीति से समर्झना नहीं करना चाहिए। आज की दुनिया बहुधृतीय है और भारत अब विदेशी का अनुयायी नहीं, बल्कि नियांकित शब्दित है। ट्रंप का यू-टर्न के बाद कट्टनीतिक घटना नहीं है, यह भारत की बढ़ती ताकत का प्रमाण है। अमेरिका चाहे तो दोस्त बने, न बने तो दुनिया अब उसके बिना भी चल सकती है। असली खेल की चाबी तो अब भारत के ही हाथ में है।

प्रसंगवश

कहानी रायसीना हिल्स के नार्थ और साउथ ब्लॉक की

स्वतंत्र भारत की दो सबसे खास सरकारी इमारतों में शामिल साउथ और नार्थ ब्लॉक का अब संधारकाल शुरू हो गया है। राजधानी के रायसीना हिल्स पर बने नार्थ और साउथ ब्लॉक भारत के शासन का अहम हिस्सा रहे हैं। ये आइकॉनिक संचालय इमारतें भारतीय प्रशासन का केंद्र रही हैं, जो औपनिवेशिक और स्वतंत्र भारत के दीर में सत्ता और निरंतरता का प्रतीक बनी। अब, जल्द ही ये दोनों इमारतें खाली होने वाली हैं। यह प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) साउथ ब्लॉक से कुछ सौ मीटर दूर बने नए एजीकूटिव एनलॉक-1 में सितंबर 2025 तक शिपट हो सकता है। तब, गृह मंत्रालय और कार्मिक मंत्रालय लगभग पूरी तरह करतव्य भवन-3 में स्थानांतरित हो चुके हैं, जिसका इमारत प्रधानमंत्री ने नदें मोटी दी गई।

बीते दो वर्षों को खाली लगाते हैं। अगस्त 1947 के दौरान साउथ ब्लॉक के आकिस में स्पॉफ के साथ दिन-रात काम कर रहे होते थे, ताकि आजादी और देश के बंदरवारे की प्रक्रिया को अंतिम रूप दे सकें। वहां, नार्थ ब्लॉक में गृहमंडी सरकार टेलर देर रात तक काम करता था, ताकि 562 रियासों को भारतीय संघ में सुचारू रूप से रखा जा सके। लैंगरी कालिन्स और डोमिनिक लैपिएर-ए ने अपनी शानदार किताब फ्रीडम एट मिडनाइट में उन दिनों के साउथ और नार्थ ब्लॉक का बेहतरीन तरीके से वर्णन किया है।

नार्थ और साउथ ब्लॉक भारत के शासन का केंद्र इसलिए रहे हैं, क्योंकि ये देश के प्रशासनिक दिल की तरह काम करते हैं। साउथ ब्लॉक में प्रधानमंत्री कार्यालय, रक्षा मंत्रालय और विदेश मंत्रालय हैं, जबकि नार्थ ब्लॉक में गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय हैं। ये मंत्रालय अंतरिक्ष सुरक्षा के लिए बड़े देश के लिए अहम रही हैं।

नार्थ और साउथ ब्लॉक भारत के शासन का केंद्र इसलिए रहे हैं, क्योंकि ये देश के प्रशासनिक दिल की तरह काम करते हैं। साउथ ब्लॉक में प्रधानमंत्री कार्यालय, रक्षा मंत्रालय और विदेश मंत्रालय हैं, जबकि नार्थ ब्लॉक में गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय हैं। ये मंत्रालय अंतरिक्ष सुरक्षा के लिए बड़े देश के लिए अहम रही हैं।

1971 के भारत-पकिस्तान युद्ध के दौरान साउथ ब्लॉक भारत का नव सेटर बन गया था। यहां प्रधानमंत्री कार्यालय और रक्षा मंत्रालय थे। एक काम में 'वर्ण रूम' बनाया गया था, जहां पूरे युद्ध की रणनीति और नियानी होती थी। प्रधानमंत्री इंडिया गांधी, फैलूड मार्शल सैम नामकों और अन्य शीर्ष अधिकारियों की अहम बैठकें यहीं होती थीं। कहा जाता है कि इंडिया गांधी का दृढ़ नेतृत्व और मानेकरण की बेबाक सैन्य सलाह इन कमरों में गूंजती थी। 13 दिन के युद्ध का हर पल, हर आदेश और हर जीत की खबर सबसे पहले इस वर्ष रूम तक पहुंचती थी। हाल ही की अंपरेशन सिंदूर में भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साउथ ब्लॉक के आकिस में भारत की रक्षा सेनाओं के शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात की थी। अब इन दोनों में संग्रहालय बनें।

इन नार्थ और साउथ ब्लॉक भारत के निर्माण 1929 में 1.75 करोड़ रुपये की लागत से पूर्य हुआ था। इन्हें खड़ा करने के लिए कई विदेशी को ढेका दिया गया, जिनमें सर शोन्हा सिंह भी शामिल थे। नार्थ और साउथ ब्लॉक, प्रत्येक तारा मंजिल के लिए अंदर लाए गए थे, ताकि आजादी और देश के बंदरवारे की प्रक्रिया को अंतिम रूप दे सकें। वहां, नार्थ और साउथ ब्लॉक से लोकल और विदेशी काम करता था, ताकि 562 रियासों को भारतीय संघ में सुचारू रूप से रखा जा सके। लैंगरी कालिन्स और डोमिनिक लैपिएर-ए ने अपनी शानदार किताब फ्रीडम एट मिडनाइट में उन दिनों के साउथ और नार्थ ब्लॉक को खाली लगाते हैं।

नार्थ और साउथ ब्लॉक भारत के शासन का केंद्र इसलिए रहे हैं, क्योंकि ये देश के प्रशासनिक दिल की तरह काम करते हैं। साउथ ब्लॉक में गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय हैं, जबकि नार्थ ब्लॉक में गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय हैं। ये मंत्रालय अंतरिक्ष सुरक्षा के लिए बड़े देश के लिए अहम रही हैं।

नार्थ और साउथ ब्लॉक भारत के शासन का केंद्र इसलिए रहे हैं, क्योंकि ये देश के प्रशासनिक दिल की तरह काम करते हैं। साउथ ब्लॉक में गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय हैं, जबकि नार्थ ब्लॉक में गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय हैं। ये मंत्रालय अंतरिक्ष सुरक्षा के लिए बड़े देश के लिए अहम रही हैं।

नार्थ और साउथ ब्लॉक भारत के शासन का केंद्र इसलिए रहे हैं, क्योंकि ये देश के प्रशासनिक दिल की तरह काम करते हैं। साउथ ब्लॉक में गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय हैं, जबकि नार्थ ब्लॉक में गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय हैं। ये मंत्रालय अंतरिक्ष सुरक्षा के लिए बड़े देश के लिए अहम रही हैं।

नार्थ और साउथ ब्लॉक भारत के शासन का केंद्र इसलिए रहे हैं, क्योंकि ये देश के प्रशासनिक दिल की तरह काम करते हैं। साउथ ब्लॉक में गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय हैं, जबकि नार्थ ब्लॉक में गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय हैं। ये मंत्रालय अंतरिक्ष सुरक्षा के लिए बड़े देश के लिए अहम रही हैं।

नार्थ और साउथ ब्लॉक भारत के शासन का केंद्र इसलिए रहे हैं, क्योंकि ये देश के प्रशासनिक दिल की तरह काम करते हैं। साउथ ब्लॉक में गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय हैं, जबकि नार्थ ब्लॉक में गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय हैं। ये मंत्रालय अंतरिक्ष सुरक्षा के लिए बड़े देश के लिए अहम रही हैं।

नार्थ और साउथ ब्लॉक भारत के शासन का केंद्र इसलिए रहे हैं, क्योंकि ये देश के प्रशासनिक दिल की तरह काम करते हैं। साउथ ब्लॉक में गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय हैं, जबकि नार्थ ब्लॉक में गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय हैं। ये मंत्रालय अंतरिक्ष सुरक्षा के लिए बड़े देश के लिए अहम रही हैं।

नार्थ और साउथ ब्लॉक भारत के शासन का केंद्र इसलिए रहे हैं, क्योंकि ये देश के प्रशासनिक दिल की तरह काम करते हैं। साउथ ब्लॉक में गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय हैं, जबकि नार्थ ब्लॉक म

हील्स

ई-बसों के बढ़ते चलन से हर सफर क्लीन एंड ग्रीन

पब्लिक ट्रांसपोर्ट का ई-युग, ग्रीन एनर्जी की ओर देश

देश में सरकारी पहल, संस्कृती और शहरों में वायु तथा ध्वनि प्रदूषण पर अंतर्गत लगानी की जरूरत के चलते सार्वजनिक परिवहन के विकल्प के रूप में इलेक्ट्रिक बसों का बाजार तेजी से आगे बढ़ रहा है।

फिलहाल, इलेक्ट्रिक बस बाजार पर टाटा मोटर्स, अशोक लीलैंड, ओलेवट्रो ग्रीनट्रेक, बीवाईडी, जेबीएम औटो और महिंद्रा इलेक्ट्रिक जैसी प्रमुख कंपनियों का दबदबा है। सरकार का लक्ष्य वर्ष 2030 तक आठ लाख डीजल बसों को इलेक्ट्रिक बसों में बदलने का है। इसके लिए भारत सरकार प्रश्नांतरी ई-बस सेवा योजना के तहत निजी बस औपरेटरों को शामिल कर रही है, तो राज्य सरकारों ने भी ई-बस सेवाएं देने वाले निजी औपरेटरों के साथ भागीदारी बढ़ाई है।

उत्तर प्रदेश सरकार ने कानपुर और लखनऊ में 10-10 रुटों पर निजी बस औपरेटरों के जरिए इलेक्ट्रिक बसें चलाने की योजना को मंजूरी दी है। निजी इलेक्ट्रिक बस औपरेटर भी तेजी से अपनी सेवाओं का विस्तार कर रहे हैं। ऐसी कंपनियों में न्यूगो, प्रसन्न पल्ट और इंवेट्रोस बस सेवे आगे हैं। न्यूगो एक प्रीमियम इंटरसिटी इलेक्ट्रिक बस सेवा जैसे स्टॉप-प्रेसी-स्टॉपर और सीटर कोच विकल्प प्रदान करती है और 150 से अधिक मार्गों पर उपलब्ध है। इंवेट्रोस को पुरी बस के नाम से जाना जाता है। इसकी पुणे-मुंबई इंटरसिटी इलेक्ट्रिक बस सेवा खासी लोकप्रिय है।



शहरों के लिए पॉवरहाउस टाटा स्टार बस अर्बन सिटी



- टाटा स्टारबस अर्बन 9/12मीटर
- बैटरी की क्षमता: 40 यात्री तक
- बैटरी: 186 kWh
- लिथियम-आयन (विस्तार योग्य)
- रेंज: प्रति चार्ज 150 किमी
- चार्जिंग समय: 2-3 घंटे (फास्ट चार्जिंग)

अशोक लीलैंड सर्किट एस में बैटरी बदलो और आगे के सफर पर चलो

- बैटरी की क्षमता: 35 से 65 यात्री
- रेंज: प्रति चार्ज 120 किमी
- विशेषता: रेपेल बैटरी तकनीक

2-3

करोड़ है देश में इलेक्ट्रिक बसों की औसत कीमत

2,400

इलेक्ट्रिक बसें देश में पंजीकृत हुई जनवरी से जुलाई 2025 के बीच

08

लाख डीजल बसों को इलेक्ट्रिक बसों में बदलने का लक्ष्य है 2030 तक

■ टाटा स्टारबस अर्बन 9/12मीटर

■ बैटरी की क्षमता: 40 यात्री तक

■ बैटरी: 186 kWh

■ लिथियम-आयन (विस्तार योग्य)

■ रेंज: प्रति चार्ज 150 किमी

■ चार्जिंग समय: 2-3 घंटे (फास्ट चार्जिंग)

■ बैटरी की क्षमता: 35 से 65 यात्री

■ रेंज: प्रति चार्ज 120 किमी

■ विशेषता: रेपेल बैटरी तकनीक

■ बैटरी की क्षमता: 35+ यात्री

■ बैटरी: 261 kWh

■ लिथियम-आयन

■ रेंज: प्रति चार्ज 300 किमी

■ बैटरी की क्षमता: 35+ यात्री

■ बैटरी: 261 kWh

■ लिथियम-आयन

■ रेंज: प्रति चार्ज 300 किमी

■ बैटरी की क्षमता: 35+ यात्री

■ बैटरी: 261 kWh

■ लिथियम-आयन

■ रेंज: प्रति चार्ज 300 किमी

■ बैटरी की क्षमता: 35+ यात्री

■ बैटरी: 261 kWh

■ लिथियम-आयन

■ रेंज: प्रति चार्ज 300 किमी

■ बैटरी की क्षमता: 35+ यात्री

■ बैटरी: 261 kWh

■ लिथियम-आयन

■ रेंज: प्रति चार्ज 300 किमी

■ बैटरी की क्षमता: 35+ यात्री

■ बैटरी: 261 kWh

■ लिथियम-आयन

■ रेंज: प्रति चार्ज 300 किमी

■ बैटरी की क्षमता: 35+ यात्री

■ बैटरी: 261 kWh

■ लिथियम-आयन

■ रेंज: प्रति चार्ज 300 किमी

■ बैटरी की क्षमता: 35+ यात्री

■ बैटरी: 261 kWh

■ लिथियम-आयन

■ रेंज: प्रति चार्ज 300 किमी

■ बैटरी की क्षमता: 35+ यात्री

■ बैटरी: 261 kWh

■ लिथियम-आयन

■ रेंज: प्रति चार्ज 300 किमी

■ बैटरी की क्षमता: 35+ यात्री

■ बैटरी: 261 kWh

■ लिथियम-आयन

■ रेंज: प्रति चार्ज 300 किमी

■ बैटरी की क्षमता: 35+ यात्री

■ बैटरी: 261 kWh

■ लिथियम-आयन

■ रेंज: प्रति चार्ज 300 किमी

■ बैटरी की क्षमता: 35+ यात्री

■ बैटरी: 261 kWh

■ लिथियम-आयन

■ रेंज: प्रति चार्ज 300 किमी

■ बैटरी की क्षमता: 35+ यात्री

■ बैटरी: 261 kWh

■ लिथियम-आयन

■ रेंज: प्रति चार्ज 300 किमी

■ बैटरी की क्षमता: 35+ यात्री

■ बैटरी: 261 kWh

■ लिथियम-आयन

■ रेंज: प्रति चार्ज 300 किमी

■ बैटरी की क्षमता: 35+ यात्री

■ बैटरी: 261 kWh

■ लिथियम-आयन

■ रेंज: प्रति चार्ज 300 किमी

■ बैटरी की क्षमता: 35+ यात्री

■ बैटरी: 261 kWh

■ लिथियम-आयन

■ रेंज: प्रति चार्ज 300 किमी

■ बैटरी की क्षमता: 35+ यात्री

■ बैटरी: 261 kWh

■ लिथियम-आयन

■ रेंज: प्रति चार्ज 300 किमी

■ बैटरी की क्षमता: 35+ यात्री

■ बैटरी: 261 kWh

■ लिथियम-आयन

■ रेंज: प्रति चार्ज 300 किमी

■ बैटरी की क्षमता: 35+ यात्री

■ बैटरी: 261 kWh

■ लिथियम-आयन

■ रेंज: प्रति चार्ज 300 किमी

■ बैटरी की क्षमता: 35+ यात्री

■ बैटरी: 261 kWh

■ लिथियम-आयन

■ रेंज: प्रति चार्ज 300 किमी

■ बैटरी की क्षमता: 35+ यात्री

■ बैटरी: 261 kWh

■ लिथियम-आयन

■ रेंज: प्रति चार्ज 300 किमी

■ बैटरी की क्षमता: 35+ यात्री

■ बैटरी: 261 kWh

■ लिथियम-आयन

■ रेंज: प्रति चार्ज 300 किमी

■ बैटरी की क्षमता: 35+ यात्री

■ बैटरी: 261 kWh

■ लिथियम-आयन

■ रेंज: प्रति चार्ज 300 किमी

■ बैटरी की क्षमता: 35+ यात्री

■ बैटरी: 261 kWh

■ लिथियम-आयन

■ रेंज: प्रति चार्ज 300 किमी

■ बैटरी की क्षमता: 35+ यात्री

■ बैटरी: 261 kWh

■ लिथियम-आयन

■ रेंज: प्रति चार्ज 300 किमी

■ बैटरी की क्षमता: 35+ यात्री

■ बैटरी: 261 kWh

■ लिथियम-आयन

■ रेंज: प्रति चार्ज 300 किमी

■ बैटरी की क्षमता: 35+ यात्री

■ बैटरी: 261 kWh

■ लिथियम-आयन

■ रेंज: प्रति चार्ज 300 किमी

■ बैटरी की क्षमता: 35+ यात्री

■ बैटरी: 261 kWh

■ लिथियम-आयन

■ रेंज: प्रति चार्ज 300 किमी

■ बैटरी की क्षमता: 35+ यात्री

■ बैटरी: 261 kWh

■ लिथियम-आयन

■ रेंज: प्रति चार्ज 300 किमी

■ बैटरी की क्षमता: 35+ यात्री

■ बैटरी: 261 kWh

■ लिथियम-आयन

■ रेंज: प्रति चार्ज 300 किमी

■ बैटरी की क्षमता: 35+ यात्री

■ बैटरी: 261 kWh

■ लिथियम-आयन

■ रेंज: प्रति चार्ज 300 किमी

■ बैटरी की क्षमता: 35+ यात्री

■ बैटरी: 261 kWh

■ लिथियम-आयन

■ रेंज: प्रति चार्ज 300 किमी

■ बैटरी की क्षमता: 35+ यात्री

■ बैटरी: 261 kWh

■ लिथियम-आयन

■ रेंज: प्रति चार्ज 300 किमी

■ बैटरी की क्षमता: 35+ यात्री

■ बैटरी: 261 kWh

■ लिथियम-आयन

■ रेंज: प्रति चार्ज 300 किमी

■ बैटरी की क्षमता: 35+ यात्री

■ बैटरी: 261 kWh

■ लिथियम-आयन

■ रेंज: प्रति चार्ज 300 किमी

■ बैटरी की क्षमता: 35+ यात्री

■ बैटरी: 261 kWh

■ लिथियम-आयन

■ रेंज: प्रति चार्ज 300 किमी

■ बैटरी की क्षमता: 35+ यात्री

■ बैटरी: 261 kWh

■ लिथियम-आयन

■ रेंज: प्रति चार्ज 300 किमी

■ बैटरी की क्षमता: 35+ यात्री

■ बैटरी: 261 kWh

■ लिथियम-आयन

■ रेंज: प्रति चार्ज 300 किमी

■ बैटरी की क्षमता: 35+ यात्री

■ बैटरी: 261 kWh

■ लिथियम-आयन

■ रेंज: प्रति चार

बिजनेस ब्रीफ

भारत बनेगा लिंकड़इन का सबसे बड़ा बाजार

नई दिल्ली। लिंकड़इन के भारत में कंटी प्रबंधक कुमारशुभ्रभिरामन ने कहा कि

समय लिंकड़इन के लिए दूसरा वर्ष बड़ा

और सबसे तेजी से बढ़ावा बाजार, जहां

इसके 16 करोड से ज्यादा उपयोगकर्ता

हैं। पूर्वभिरामन ने भारत को वैश्विक

कार्योंपर कारोबार के लिए एक दिशा-

निर्देशक बताया। उन्होंने कहा कि भारत के लिए

समाधान दैर्यार करें, हम वैश्विक स्तर

पर अपने 1.2 अरब सदस्यों के लिए भी

समाधान दैर्यार करें। उन्होंने भारतीय

बाजार की गति का श्रेष्ठ इप्सेंटिल

रूप से दक्ष युग्मा, तात्पर्याकारी बाबल को

दिया। पूर्वभिरामन ने कहा कि यहां कोशल

विकास की बहुत अधिक इच्छा है, और

समुद्राय, सलाहकारों तथा सहायियों के

नेटवर्क के मिलने वाले ज्ञान में भरोसा है।

गांवों में 50% बिक्री बढ़ने की बिट्टनिया को उम्मीद

बैगलूरु। बिट्टनिया को उम्मीद है कि यहां पाले

तीन से चार साल में उसकी घोटाले बिक्री का

हिस्सा ग्रामीण बाजारों से आएगा।

कंपनी ऐसे क्षेत्रों में अपनी उपस्थिति बढ़ाने

के लिए वित्तण नेटवर्क का विस्तार कर

रही है। कंपनी के बड़ा संयोग और अप्रैल

प्रबंध नियंत्रण दर्शी द्वारा नें एक जानकारी

दी। वेरी ने कहा कि यापीणी बाजार

बिट्टनिया के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

गुड डे, मैरी गोल्ड, और टाइगर विरिक्ट

बनाने वाली इस कंपनी ने यातूल वित्त वर्ष की

अप्रैल-जून तिथीमी वे इन बाजारों में दोहरे

अक्ष में बढ़ी दर्ज की। अब कंपनी सीधे

वित्तण के मध्यम से अपनी घुंबू बढ़ा रही

है ताकि दूरदराज के बाजारों में उत्पादों की

लगातार उपलब्धता सुनिश्चित हो सके।

जो आईएएल के लिए

वेदांता ने लगाई बोली

नई दिल्ली। खनन क्षेत्र की कंपनी वेदांता

ति. ने कंपनी में इच्छा दी ज्यापाकाश

एसोसिएट्स लिमिटेड (जोएआईएल) को

खरीदने के लिए सबसे तेजी बोली लगाई

है। वेदांता ने सफल बोली लगाने के बाद

कहा कि वह एसोसिएटी की मंजूरी प्रियों ने

दिल्ली में दी है। उन्होंने अपनी घुंबू

बढ़ाव की बोली लगाने के बाद

प्रदेश के कई जिलों में लगातार

सकती है। मुख्य आर्थिक सलाहकार

(सीईए) वे अनंत नागरिकन ने यह

अनुमान जताया है।

मौजूदा बाजार कीमतों पर आधारित

सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में

महांगाई के प्रभाव को समायोजित नहीं

किया जाता है। उन्होंने उम्मीद जताई

कि अमेरिका के भारतीय नियांत्रित

पर 50% का भारी शुल्क लगाने के

वित्तण में लगाई गई थी।

पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश,

मध्य प्रदेश राजस्थान और उत्तर

प्रदेश के कई जिलों में हालात वारिश

के कम होने से नियन्त्रण में है, लेकिन

परेशानियां ज्यों की त्वां बढ़ी हुई हैं।

पंजाब में वारिश की गई नियांत्रियों में वारिश का

पानी जमा होने से वह उफान पर

है, जिससे पंजाब प्रांत में खेतों में

पानी घुस गया है और बाढ़ से अब

तक 46 लोगों की जान जा चुकी है

और तीन लोग लापता हैं। भाखड़ा

ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएम्बी) के

कम होने के बाद घुसा गया है।

हरियाणा के झज्जर जिले में मारुति

स्टॉकिंग की घटना हो गई है।

वाहिनी में जलस्तर में कमी आने से

कम पानी छोड़ा जा रहा है, जिसके

कारण पंजाब में बाढ़ के हालात सुधर

रहे हैं। पंजाब में बाढ़ से 3.87 लाख

आबादी वारिश की गई है। वर्षा जमान

में हुई सूखा वारिश से भी बाढ़

जैसे हालात बने हुए हैं। वर्षा जमान

में घुसा होने के बाद परिवारों की

मंजूरी दी गई है। वर्षा जमान

में घुसा होने के बाद घुसा होने की

वित्तण में लगाई गई है।

बाढ़ की घटना के बीड़ीजों व

सीसीटीवी फुटेज की जांच जारी

कर्मचारी ने तोड़ा बड़ी की घटना

के बीड़ीजों और सीसीटीवी युक्त जारी

जारी की जांच जारी

कर्मचारी ने तोड़ा बड़ी की घटना

के बीड़ीजों और सीसीटीवी युक्त जारी

कर्मचारी ने तोड़ा बड़ी की घटना

के बीड़ीजों और सीसीटीवी युक्त जारी

कर्मचारी ने तोड़ा बड़ी की घटना

के बीड़ीजों और सीसीटीवी युक्त जारी

कर्मचारी ने तोड़ा बड़ी की घटना

के बीड़ीजों और सीसीटीवी युक्त जारी

कर्मचारी ने तोड़ा बड़ी की घटना

के बीड़ीजों और सीसीटीवी युक्त जारी

कर्मचारी ने तोड़ा बड़ी की घटना

के बीड़ीजों और सीसीटीवी युक्त जारी

कर्मचारी ने तोड़ा बड़ी की घटना

के बीड़ीजों और सीसीटीवी युक्त जारी

कर्मचारी ने तोड़ा बड़ी की घटना

के बीड़ीजों और सीसीटीवी युक्त जारी

कर्मचारी ने तोड़ा बड़ी की घटना

के बीड़ीजों और सीसीटीवी युक्त जारी

कर्मचारी ने तोड़ा बड़ी की घटना

के बीड़ीजों और सीसीटीवी युक्त जारी

कर्मचारी ने तोड़ा बड़ी की घटना

के बीड़ीजों और सीसीटीवी युक्त जारी

कर्मचारी ने तोड़ा बड़ी की घटना

के बीड़ीजों और सीसीटीवी युक्त जारी

कर्मचारी ने तोड़ा बड़ी की घटना

के बीड़ीजों और सीसीटीवी युक्त जारी

कर्मचारी ने तोड़ा बड़ी की घटना

के बीड़ीजों और सीसीटीवी युक्त जारी

कर्मचारी ने तोड़ा बड़ी की घटना

के बीड़ीजों और सीसीटीवी युक्त जारी

कर्मचारी ने तोड़ा बड़ी की घटना

के बीड़ीजों और सीसीटीवी युक्त जारी

कर्मचारी ने तोड़ा बड़ी की घटना

के बीड़ीजों और सीसीटीवी युक्त जारी

कर्मचारी ने तोड़ा बड़ी की घटना

वर्ल्ड ब्रिफ

अनुतिन थाईलैंड के नए प्रधानमंत्री बने

बैंकों। थाईलैंड में वरिष्ठ नेता अनुतिन थाईलैंडन प्राप्त करने के बाद देश के प्रधानमंत्री बन गए। अदालत के अदेश के अनुके नियमों को पद से हटाए जाने के बाद दो दिन पहले संसद द्वारा उन्हें इस पद के लिए चुना गया। अनुतिन (58) ने पैरेलाइन शिवायात्रा का स्थान चिह्नित किया है, जिन्हें पिछले साल हाथ अदालत के अदेश पर प्रधानमंत्री पद से बर्खास्त कर दिया गया था, क्योंकि पिछली दो देश कबीलियों के सीनेट अधिकार हुन सन के साथ लीक हुई फोन कॉल के जरिये उन्हें नैतिकता के नियमों के उल्लंघन का लोकी पाया गया था। अनुतिन ने पैरेलाइन के प्रधानमंत्री पद पर प्रधानमंत्री के रूप में रहा किया था, लेकिन लोक हुए फोन कॉल की खबर से हांगामा मनोने के बाद उन्होंने अपने पद से इस्तीफा दे दिया था और गठबन्धन सरकार से अपनी पार्टी का समर्थन गपास ले लिया था।

ब्रिटेन में फलस्तीन एक्शन रैली के दौरान 425 लोग गिरफ्तार

लंदन, एजेंसी

लंदन की महानगर पुलिस ने फलस्तीन एक्शन को आतंकी समूह घोषित करने के खिलाफ किए गए प्रदर्शन के दौरान ब्रिटेन के बाहरी अधिकारियों पर 'लाल चलाने' और थूकने जैसे असहनीय दबाववाहक की खिलाफ को निंदा की। उन्हें इस मामले में करीब 425 प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया है।

ब्रिटिश सरकार द्वारा इस समूह पर प्रतिवध लगाने के विरोध में शनिवार को सैकड़ों लोग संसद चैम्बर पर एकत्र हुए, तथा इजराइल-हमास संघर्ष के विरोध में मैं नरसंहार का विरोध करता हूं, मैं फलस्तीन कार्रवाई का समर्थन करता हूं, मैं जैसे तक्षितांत्र लिए हुए थे। पुलिस ने अगस्त में इसी

अमृत विचार

अद्भुत खगोलीय घटनाएं

ब्रह्मांड खगोलीय घटनाओं का अद्भुत संसार है। इन्हीं घटनाओं में चंद्रग्रहण और सूर्यग्रहण भी शामिल हैं जो काफी सामान्य रूप से देखे जा सकते हैं। चंद्रग्रहण तब होता है जब पृथ्वी सूरज और चंद्रमा के बीच आ जाती है। इससे सूर्य की रोशनी जो सामान्यतः चंद्रमा पर पड़ती है, वह पृथ्वी की छाया से रुक जाती है। पृथ्वी की छाया के दो दिस्रे होते हैं। एक उम्बा यानी ऐसी गहरी छाया जहां सूर्य की रोशनी पूरी तरह रुक जाती है। जब चंद्रमा उम्बा से गुजरता है तो पृथ्वी चंद्रग्रहण होता है और वह लाल दिखाई देता है क्योंकि पृथ्वी का ग्राम्पंडल सूर्य की लाल रूप से पहुंचता है। जब चंद्रमा उम्बा से गुजरता है तो पृथ्वी चंद्रग्रहण पृथ्वी और सूर्य के बीच चंद्रमा के आ जाने से होता है। सूर्यग्रहण में भी चंद्रमा की छाया दो हिस्सों उम्बा और पूरुम्बा में होती है। सूर्यग्रहण केवल अमावस्या के दिन हो सकता है।

अब तक के प्रमुख ग्रहण

- वर्ष 2018 में 27 जुलाई को पड़ा 1 घंटा 42 मिनट 57 सेकंड का चंद्रग्रहण 21वीं सदी का सबसे लंबा पूरा चंद्रग्रहण था। इस दिन लंब मूल दिखाई दिया गया।
- इससे पहले सबसे लंबा पूरा चंद्रग्रहण 26 जुलाई 1453 में हुआ था जो इससे भी कुछ सेकंड लंबा था, लेकिन खगोल विज्ञान में 2018 वाला ही सबसे चर्चित है।
- दूसरी का सबसे लंबा सूर्यग्रहण 22 जुलाई 2009 को पड़ा था। छम मिनट 38 सेकंड के इस पूरे सूर्यग्रहण को 21वीं सदी का सबसे लंबा सूर्यग्रहण कहा गया।
- खगोल विज्ञानियों के मुताबिक 16 जुलाई 2186 को होने वाला पूरा सूर्यग्रहण 7 मिनट 29 सेकंड लंबा जाएगा।



सूर्यग्रहण और चंद्रग्रहण

हर अमावस्या सूर्यग्रहण और हर पूर्णिमा चंद्रग्रहण होना चाहिए लेकिन ऐसा नहीं होता। कारण है कि चंद्रमा की कक्षा पृथ्वी की कक्षा से पांच दिन ज्यूनी छुट्टी है। इसलिए अधिकार तस्वीर चंद्रमा सूर्य या पृथ्वी की छाया से ऊपर या नीचे निकल जाता है। जब सूर्य, पृथ्वी और चंद्रमा तीनों एक सीधे में आ जाते हैं, तभी ग्रहण होता है।

अन्य प्रमुख खगोलीय घटनाएं

- उत्का वर्षों: धूम्रकुंया धूम्रकुंया से प्रवेश करते हैं और धूम्र के पास आने पर तेज बदकते हैं और उत्की लंबी पूरी बर्तनी है।
- धूम्रकुंया: बृक्ष, धूम्र और गैस से बने छाटे पिंड, जो सूर्य के पास आने पर तेज बदकते हैं और उत्की लंबी पूरी बर्तनी है।
- ग्रह संयोजन: जब दो या अधिक ग्रह एक दिशा में पास दूरबीनी पर स्थिर होते हैं, कभी-कभी कई ग्रह एक सीधे में आ जाते हैं।
- सुप्रसामू: जब पूर्णिमा के दिन चंद्रमा पृथ्वी के सबसे करीब होता है तो चंद्रमा बहुत बड़ा और चमकीला लगता है।

खतरनाक

उपकरणों के लिए ग्रहण खतरनाक हो सकता है। उपकरणों के लिए ग्रहण होते हैं - पूर्ण, आशिक और उत्तम। उपकरणों के लिए ग्रहण होता है। दूरबीनी पर सीधे धूम्र पूर्ण से उनके दर्शनों की कोटियां क्षतिग्रस्त हो सकती हैं।

प्रमुख वैज्ञानिक तथ्य

- ग्रहण के दो दिन पापरान गिरता है, पूर्ण सूर्यग्रहण के दो दिन कई डिग्री गिर सकता है।
- पूर्ण चंद्रग्रहण की अवधि चंद्रमा के पृथ्वी की छाया के दो दिन पर उत्तर गिरता है।
- चंद्रमा लाल या नारंगी दिख सकता है, क्योंकि सूर्य की रोशनी छानकर उस पर पड़ती है।

नोट्रंप... नोट्रप्स



शिकायों में शनिवार को इलिनोइस अप्रवासी एवं शान्तार्थी अधिकार गठबन्धन की ओर से आयोजित 'शिकायों सेज... नो ट्रंप नो ट्रूप्स' विशेष प्रदर्शन के दोरान हजारों लोगों ने सड़कों पर मार्च किया।

माल्या और नीरव मोदी के प्रत्यर्पण की प्रक्रिया तेज, तिहाड़ जेल देखने पहुंची ब्रिटेन की टीम

नई दिल्ली, एजेंसी



• माल्या 9000 और मोदी 13800

करोड़ की ओर खांधांडी का आरोपी

जरूरत पड़ने पर, हाई-प्रोफेशनल आरोपियों को खबरों के लिए जारी करते हैं और अपराधियों को प्रत्यर्पण कराकर वापस भारत लाने के तेज हुए प्रयोगों के बीच ब्रिटेन की क्राउन प्रॉसिक्यूशन सर्विस (सीपीएस) की एक टीम ने तिहाड़ जेल का दौरा किया है।

भारत ने आशासन दिया है कि अधिकारी ब्रिटिश आदालतों को अशवस्त करने के लिए जारी करते हैं ताकि उनकी सुरक्षा और अंतर्राष्ट्रीय मानकों का पालन सुनिश्चित किया जा सके।

भारत ने आशासन दिया है कि अधिकारी ब्रिटिश आदालतों को अशवस्त करने के लिए जारी करते हैं ताकि उनकी सुरक्षा और अंतर्राष्ट्रीय मानकों का पालन सुनिश्चित किया जा सके।

भारत ने आशासन दिया है कि अधिकारी ब्रिटिश आदालतों को अशवस्त करने के लिए जारी करते हैं ताकि उनकी सुरक्षा और अंतर्राष्ट्रीय मानकों का पालन सुनिश्चित किया जा सके।

भारत ने आशासन दिया है कि अधिकारी ब्रिटिश आदालतों को अशवस्त करने के लिए जारी करते हैं ताकि उनकी सुरक्षा और अंतर्राष्ट्रीय मानकों का पालन सुनिश्चित किया जा सके।

भारत ने आशासन दिया है कि अधिकारी ब्रिटिश आदालतों को अशवस्त करने के लिए जारी करते हैं ताकि उनकी सुरक्षा और अंतर्राष्ट्रीय मानकों का पालन सुनिश्चित किया जा सके।

भारत ने आशासन दिया है कि अधिकारी ब्रिटिश आदालतों को अशवस्त करने के लिए जारी करते हैं ताकि उनकी सुरक्षा और अंतर्राष्ट्रीय मानकों का पालन सुनिश्चित किया जा सके।

भारत ने आशासन दिया है कि अधिकारी ब्रिटिश आदालतों को अशवस्त करने के लिए जारी करते हैं ताकि उनकी सुरक्षा और अंतर्राष्ट्रीय मानकों का पालन सुनिश्चित किया जा सके।

भारत ने आशासन दिया है कि अधिकारी ब्रिटिश आदालतों को अशवस्त करने के लिए जारी करते हैं ताकि उनकी सुरक्षा और अंतर्राष्ट्रीय मानकों का पालन सुनिश्चित किया जा सके।

भारत ने आशासन दिया है कि अधिकारी ब्रिटिश आदालतों को अशवस्त करने के लिए जारी करते हैं ताकि उनकी सुरक्षा और अंतर्राष्ट्रीय मानकों का पालन सुनिश्चित किया जा सके।

भारत ने आशासन दिया है कि अधिकारी ब्रिटिश आदालतों को अशवस्त करने के लिए जारी करते हैं ताकि उनकी सुरक्षा और अंतर्राष्ट्रीय मानकों का पालन सुनिश्चित किया जा सके।

भारत ने आशासन दिया है कि अधिकारी ब्रिटिश आदालतों को अशवस्त करने के लिए जारी करते हैं ताकि उनकी सुरक्षा और अंतर्राष्ट्रीय मानकों का पालन सुनिश्चित किया जा सके।

भारत ने आशासन दिया है कि अधिकारी ब्रिटिश आदालतों को अशवस्त करने के लिए जारी करते हैं ताकि उनकी सुरक्षा और अंतर्राष्ट्रीय मानकों का पालन सुनिश्चित किया जा सके।

भारत ने आशासन दिया है कि अधिकारी ब्रिटिश आदालतों को अशवस्त करने के लिए जारी करते हैं ताकि उनकी सुरक्षा और अंतर्राष्ट्रीय मानकों का पालन सुनिश्चित क



अंतिम एकादश में जगह पाने के हकदार
खिलाड़ी को अगर टीम में नहीं चुना जाता है तो
यह उसके लिए काम करना निराशाजनक होता है लेकिन
रिश्ति वाले जो भी हों, टीम के हकदार के लिए नैतिक
रूप से काम करते रहना चाहिए।
-श्रेयस अच्युत

हाईलाइट

स्पेन के मॉटोरों में केटेलोनिया ग्रैंड
प्रिंस की मोटोरों 2 रेस जीतने के बाद
जशन मनाते स्पेन के साइरड डेनियल
होल्टाडो।

एजेंसी

आईएसएसएफ
विश्व कप कल से

निगांव (यौन) : ओलंपियन राइफल निशानेबाज रीमाता जिंदल और दिव्यांश सिंह पंवार मंगलवार से युक्त हो रहे थे और अंतिम आईएसएसएफ विश्व कप (राइफल और ग्रैंड प्रिंस) में 24 सदर्शक भारतीय दल का नेतृत्व करेंगे। ट्रैम हाल में कुजाहास्तान के शेम्पटर्स में संपन्न एशियाई ओलंपियन शिष्य में अपने शनिवार प्रदर्शन से और बेहतर करने की कोशिश करेंगी जिसमें उम्मीदें 31 पदक की हैं। इनमें सीनियर वर्ग में 14 खिलाड़ी, अब तर और नौ कार्य पदक शामिल हैं जिससे भारत यौन के बाद दूसरे स्थान पर रहा जिसमें 15 खिलाड़ी, 12 रजत और तीन कार्य पदक जीते।

लक्ष्य चाहर प्री-
क्वार्टर फाइनल में

विवरण : भारत के लक्ष्य चाहर ने रविवार को लिवरपूल में विश्व मुक्केबाजी ओलंपियन शिष्य के पुरुषों के 80 किंवद्दन वर्ग में जॉर्डन के हॉस्ट इयाश को हाराकर शनिवार प्रदर्शन करते हुए अंतिम 16 में प्रवेश किया। लक्ष्य चाहर की शुरुआत आक्रमक तरीके की थी, लेकिन जॉर्डन के द्यूरपार राउंड में अंतर कम कर दिया। हालांकि, भारतीय खिलाड़ी ने तीसरे राउंड में पारपासी करते हुए 5-0 से शनिवार जीत हासिल की।

तलवार पोलैंड में

47वें स्थान पर

कोनोपिर्का (पोलैंड) : भारतीय गोलफर सुपरक तलवार ने यहां जीएसी रोसा गोल्फ टैक्सेज के तीसरे दिन दो ओवर 72 का रकार बनाया जिससे वह एक खान के फायदे से संयुक्त रूप से 47वें स्थान पर है। तलवार ने तीसरे दौर में एक बड़ी की लेखनी के बाद नींवी की गण एवं शैली के बाद खेल खेल परिसर में भारत के लिये सुखीजीत सिंह ने पहले ही मिनट में गोल लगाया। उनका कुल स्कोर इवन पार है। स्ट्रीडन के हूपो टाउनसेंड ने तीसरे दौर में 47 अंडर 64 के रकार से कुल 14 अंडर के रकार से पांच शॉट की बड़ी बदली कर दिया। टाउनसेंड ने तीसरे दौर में पांच बड़ी, एक इगल और एक बोरी की।

इंग्लैंड ने दिया 415

रनों का लक्ष्य

सातौर्थान : जेकब बेथेल (110), जो स्टर (100) की शनिवार शानदार तथा जीमी स्प्रिंग (62) और जॉस बॉल्ट (नाबाद 62) की अंतर्राष्ट्रीय परियों के दम पर इंग्लैंड ने रविवार को तीसरे एकदिवसीय मुक्केबाले में दक्षिण अफ्रीका को जीत के लिए 415 रनों का लक्ष्य दिया। आज यहां दक्षिण अफ्रीका ने दौस जीतकर पहले गेंदबाजी करने तक फैसला किया। बल्लेबाजी करने तक इंग्लैंड के लिये जीमी स्प्रिंग और बेथेल के पाइप ड्रॉमी के फाइनल में अपनी जगह पकड़ी की ली। मध्य क्षेत्र अब

11 सिंबंदर से होने वाले खिलाड़ी

मुक्केबाले में दक्षिण क्षेत्र से भिड़ा।

जायसवाल (64) ने अपनी 70 गेंदों की पारी में कुछ शनिवार शॉट खेले जिससे पश्चिम क्षेत्र अपनी दूसरी पारी में आठ विकेट पर 216 रन बनाने में सफल रहा। पश्चिम क्षेत्र को हालांकि पहली पारी में 122 रन से पछिड़ा महंगा पड़ा।

सबालोंका ने धैर्य बनाकर जीता यूएस ओपन

न्यूयॉर्क, एजेंसी

दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी एरिना सबालोंका ने कुछ विषय पत्तों से गुजरने के बाद अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा को सिधे सेटों में हाराकर लगातार दूसरी बार अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में महिला एकल का खिताब जीता।

सबालोंका जब खिताब से दो अंक दूर थीं, तब उन्होंने एक ऐसा ओवरहेड स्पैश लगाया जो आसान भारी दूरी के लिये बहुत लागतार दूसरी बार अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में महिला एकल का खिताब जीता।

जब आप सबसे बड़े दूर्नियों में से एक का फाइनल हार जाते हैं और तुरंत मीडिया के पास जाते हैं, तो आप निराश और भावुक हो जाते हैं। इन पांच नें खेलों और खिलाड़ी को ब्रेक और मुझे कहा जाता है। यह एक कठिन सरकथा, लेकिन इसके मुझे कहा जाता है।

-एरिना सबालोंका

6-3, 7-6 (3) से जीत दर्ज करके अपने करियर का चौथा ग्रैंड स्लैम उसे नेट में उलझा दिया। जिससे अनिसिमोवा को ब्रेक का मौका मिल गया। सबालोंका ने हालांकि अपना धैर्य बनाए रखा और आखिर में उन्होंने अपने सभी खिताब

फाइनल में दो हार की निराशा हावी नहीं होने दी

■ न्यूयॉर्क : सबालोंका मेलबन पार्क में मेडिसन कीज से तथा रोलें-गोरेस में कोंका के गोंड से हारा गई थी। शनिवार को उनके दिमाग में इन हार की तर्हीर भी बींबी हुई थी। उन्होंने कहा अंस्ट्रेलियाई ओपन के बाद, मैंने सोचा कि सही यही होगा कि इसे भूलकर आगे बढ़ा जाए। लेकिन फिर फ्रेंच ओपन में भी यही हुआ। मैंने उन फाइनल को देखा और मैं हार का यह सिविसिया तोड़ने के लिए प्रतिबद्ध थी और मुझे युशी है कि मैं इसमें सफल रहूँ।

■ अमांडा अनिसिमोवा ने सबालोंका की तारीख करते हुए कहा मैं गत साल में उनकी बहुत प्रशंसा करती हूँ। वह कड़ी महनत करती है और इसी लिए आज इस मुकाम पर हूँ। युझे भी मैंके मिले थे लेकिन मैं उन्हें नहीं भुना सकूँ।

हार्ड कोर्ट पर जीत है। इस जीत से वह 2006 में जस्टिन हेनिन के बाद एक सर्व में तीन प्रमुख काफिलत हारने वाली पहली महिला बनने से बच गई। दूसरे सेट में अमेरिकी खिलाड़ी ने वापसी की और 5-4 के स्कोर पर सबालोंका की सर्विस के स्कोर पर सबालोंका का फायदा उतारा, जिससे उनका नियमित ओवरहेड नेट में चल गया। इससे अनिसिमोवा ने सर्विस ब्रेक की और खिलाड़ी ने वापसी की और 5-4 टाइब्रेक कर दिया।



बेलारूस की आर्यना सबालोंका यूएस ओपन की ट्रॉफी के साथ जश्न मनाती हुई। एजेंसी

ग्रैनेलर्स व जेबालोस
ने पुरुष युगल का
खिताब जीता

■ न्यूयॉर्क : मार्सेल ग्रैनेलर्स और हार्सासिंह जेबालोस अमेरिकी ओपन पुरुष युगल ट्रैपियनशिप के फाइनल में हासने से बस एक अंक दूर थे, लेकिन कुछ ही पल बाद वे चैपियन बन गए। ग्रैनेलर्स और जेबालोस ने शनिवार को जो सेनियर्स रीमांड नील स्कूलर्स की 3-6, 7-6 (4), 7-5 से हाराकर सरका अपना दुसरा ग्रैंड स्लैम खिताब जीता। ग्रैनेलर्स ने कहा ट्रैनिस कभी-कभी पारगत भरा होता है, व्यक्तिके हम फ्रैंच रोड बनाने के लिए फिर करते हैं। एजेंसी

अल्काराज और सिनर में
रोमांचक मुकाबले की उम्मीद

दक्षिण कोरिया को हाराकर चौथी बार जीता हाँकी एशिया कप खिताब, दिलप्रीत सिंह ने किए दो गोल

राजगीर (बिहार), एजेंसी



कोरिया के खिलाफ पुरुष हाँकी एशिया कप का फाइनल मैच जीतने के बाद जश्न मनाते भारतीय खिलाड़ी। एजेंसी

दिलप्रीत सिंह के दो गोल की मदद से भारतीय पुरुष हाँकी टीम ने गत चौथीय दक्षिण कोरिया को रविवार को फाइनल में 4-1 से हाराकर आठ साल बाद एशिया कप खिताब जीत लिया। इसी के साथ अगले साल हाँने वाले पहली पहली महिला बनने से ब्रेक और भारतीय दूसरी बार एशिया कप का चौथी बार एशिया कप खिताब जीता है और इसके साथ ही वह पांच बार की चौथीय परियां को ब्रेक और भारतीय दूसरी बार एशिया कप का चौथी बार एशिया कप खिताब जीता है और इसके साथ अगले साल बाली पहली महिला बनने से ब्रेक और भारतीय दूसरी बार एशिया कप का चौथी बार एशिया कप खिताब जीता है।

भारतीय आक्रमक पंक्ति ने कोरिया के द्वारा लिये सीनियर्स को पूरे मैच में दबाव में रखा। इसनप्रीत ने हवा में गेंद उछलाकर बाये कॉर्नर पर संजय को पास दिया जिसने सर्कल के ब्रेक के लिए गेंद दिया। उन्होंने गोल करके हाफटाइम तक भारत को 2-0 से बढ़ाया। दिलप्रीत को पहला मौका 40वें मिनट में दबावार दो पैनलटी कॉर्नर के रूप में दिया गया। उन्होंने गोल करके हाफटाइम तक भारत को 3-0 से बढ़ाया। दिलप्रीत को पहला मौका 40वें मिनट में दबावार दो पैनलटी कॉर्नर के रूप में दिया गया। उन्होंने गोल करके हाफटाइम तक भारत को 4-0 से बढ़ाया। दिलप्रीत को पहला मौका 40वें मिनट में दबावार दो पैनलटी कॉर्नर के रूप में दिया गया। उन्होंने गोल करके हाफटाइम तक भारत को 5-0 की जीत लिया। दिलप्रीत ने गोल करके हाफटाइम तक भारत को 6-0 की जीत लिया। दिलप्रीत को पहला मौका 40वें मिनट में दबावार दो पैनलटी कॉर्नर के रूप में दिया गया। उन्होंने गोल करके हाफटाइम तक भारत को 7-0 की जीत लिया। दिलप्रीत को पहला मौका 40वें मिनट में दबावार दो पैनलटी कॉर्नर के रूप में दिया गया। उन्होंने गोल करके हाफटाइम तक भारत को 8-0 की जीत लिया। दिलप्रीत को पहला मौका 40वें मिनट में दबावार दो पैनलटी कॉर्नर के रूप में दिया गया। उन्होंने गोल करके ह